

स्मृति का रूप

सार्वजनिक स्थल में कांस्य मूर्तियाँ

खंड 3

स्मृति का रूप

सार्वजनिक स्थल में कांस्य मूर्तियाँ

कांस्य उस संबंध की सामग्री है जो मानवता ने मूर्तिकला के साथ सबसे पहले और सबसे गहराई से स्थापित किए। हज़ारों वर्ष पहले आग में पिघलाकर साँचों में ढाली गई यह मिश्रधातु देव-प्रतिमाओं से लेकर नगर-स्मारकों तक फैली एक लंबी परंपरा की वाहक रही है। इस सूची में संकलित İlker Yardımcı की कांस्य मूर्तियाँ इस विरासत को आकृति की नहीं, बल्कि ज्यामितीय अमूर्तन की भाषा में आगे बढ़ाती हैं; चौकों, भवनों के सामने, जल-तटों और नगर-उद्यानों में स्थापित होने के लिए रची गई ये कृतियाँ एक प्राचीन सामग्री को समकालीन सार्वजनिक स्थल के प्रश्नों से मिलाती हैं।

कृतियों का रूप-संसार विस्तृत किंतु सुसंगत है: बारीक खाँचों से लिपटे अंडाकार शरीर, एक-दूसरे से होकर गुज़रते और गाँठ बनाते वलय, आकाश की ओर ऐंठते हुए उठती पट्टियाँ, लहर या सीपी की तरह मुड़ती सतहें, भीतर से खुलकर अपनी परतें दिखाते गोले, एक के ऊपर एक रखी पत्तियों से बने ऊर्ध्व टोटम और स्वयं पर मुड़ते त्रिकोणीय पिंड। Lyrical Whirl का भँवर, Mundus Silens का अंतर्मुखी मौन या Gravitas का भार एक ही शिल्पगत अन्वेषण के भिन्न पड़ाव हैं। प्रत्येक यह प्रश्न करती है कि एक बंद पिंड कैसे खुल सकता है, और एक स्थिर रूप कैसे गति पा सकता है।

कांस्य का स्वभाव इस अन्वेषण को विशेष गुरुत्व देता है। ढलाई की प्रक्रिया कलाकार के मॉडल की प्रतिकृति बनाते हुए उसे एक स्थायी देह देती है; आग से गुज़रा रूप ठंडा होने पर लगभग अपरिवर्तनीय उपस्थिति बन जाता है। सतह के गर्म सुनहरे और भूरे रंग प्रकाश को कठोरता से लौटाने के बजाय एक कोमल आभा के साथ आत्मसात करते हैं। खाँचों, वक्रों और खोखलों पर घूमता प्रकाश धातु को गहराई और जीवंतता देता है; दूर से मूर्ति एक छायाकृति है, पास से ऐसी सतह जिसे छूने का मन करे।

पैटिना वह मौन समझौता है जो कांस्य समय के साथ करता है। हवा, वर्षा और हाथों के स्पर्श से धीरे-धीरे बनने वाली यह परत कहीं गहरे भूरे, तो कहीं हरे और फ़िरोज़ी रंगों में बदल जाती है। कुछ कृतियों में यह हरी सतह जानबूझकर उभारी गई है, जो मूर्ति को ऐसी परिपक्वता देती है मानो वह वर्षों से वहीं खड़ी हो। इस प्रकार कांस्य अपरिवर्तित रहने और परिवर्तन को स्वीकारने के बीच संतुलन बनाता है: उसकी देह प्रतिरोध करती है, उसकी त्वचा जीती है।

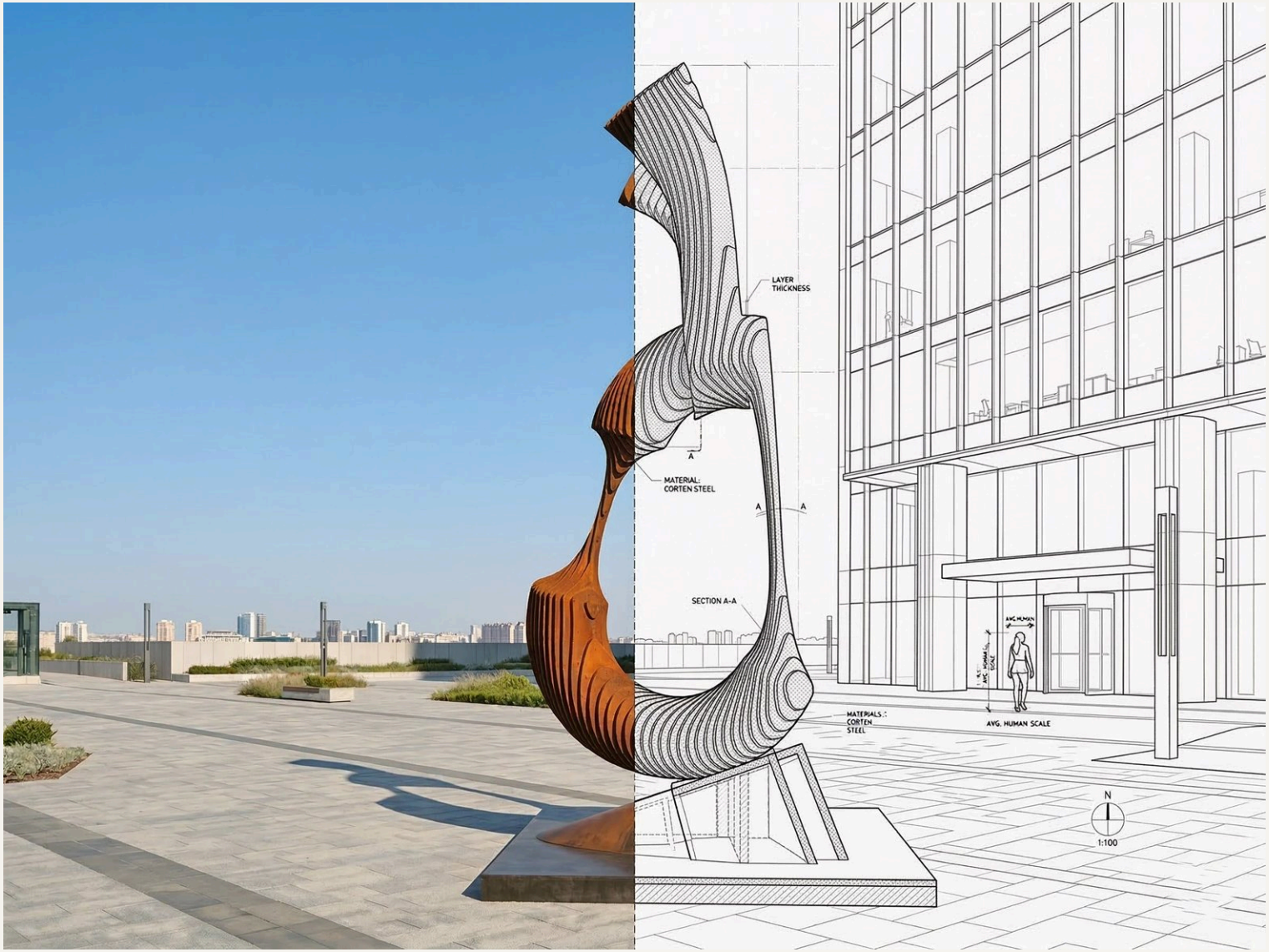
सार्वजनिक स्थल में ये गुण गरिमा और स्मृति के भाव में बदल जाते हैं। कांस्य मूर्ति अपने स्थान को एक केंद्र, एक मिलन-बिंदु, एक स्मरण-चिह्न देती है। पीढ़ियों तक एक ही जगह खड़ी कृति नगर की साझा स्मृति का अंग बन जाती है; बचपन में उसके चारों ओर खेलने वाले वर्षों बाद उसी सतह पर अपना अतीत पाते हैं। Yardımcı के खुले और प्रवाहमय रूप इस स्मारकीय परंपरा को उसकी गंभीरता छीने बिना कोमल बनाते हैं; वे दर्शक को अपने सामने खड़े होने के लिए नहीं, बल्कि अपने चारों ओर घूमने और अपने भीतर से देखने के लिए बुलाते हैं।

"स्मृति का रूप" कांस्य की सहस्राब्दियों पुरानी निरंतरता को कलाकार की ज्यामितीय और काव्यात्मक भाषा से जोड़ता है। इन मूर्तियों में सामग्री और रूप एक-दूसरे को पूर्ण करते हैं: कांस्य मुड़ते और खुलते रूपों को स्थायित्व देता है, और रूप कांस्य में आज की लय भरते हैं। इससे जो उभरता है वह एक ऐसी सार्वजनिक उपस्थिति है जो अतीत पर टिकी है, भविष्य से संवाद करती है और नगर के भीतर चुपचाप समय को वहन करती है।



शीर्षकहीन

कांस्य


LAYER THICKNESS
A
MATERIAL: CORTEN STEEL
A
A
SECTION A-A
AVG. HUMAN SCALE
MATERIALS : CORTEN STEEL
AVG. HUMAN SCALE
N
1:100

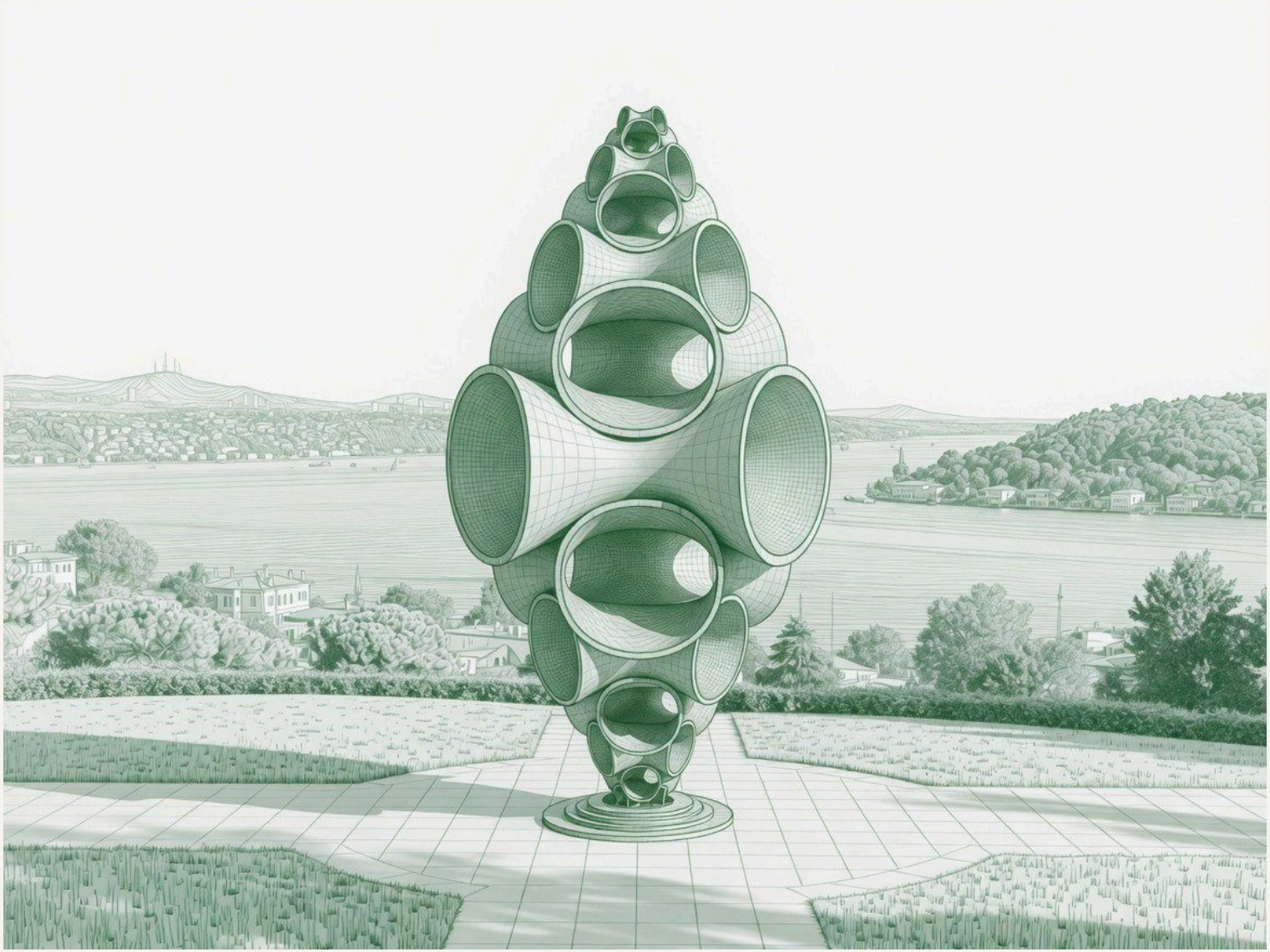
शीर्षकहीन

कांस्य


DIM 1800
A
DIA 2200
DIA 2200
R 600
A-A
DIM 800
A
THK 5mm
THK 5mm
SEC A-A
R 600

शीर्षकहीन

कांस्य



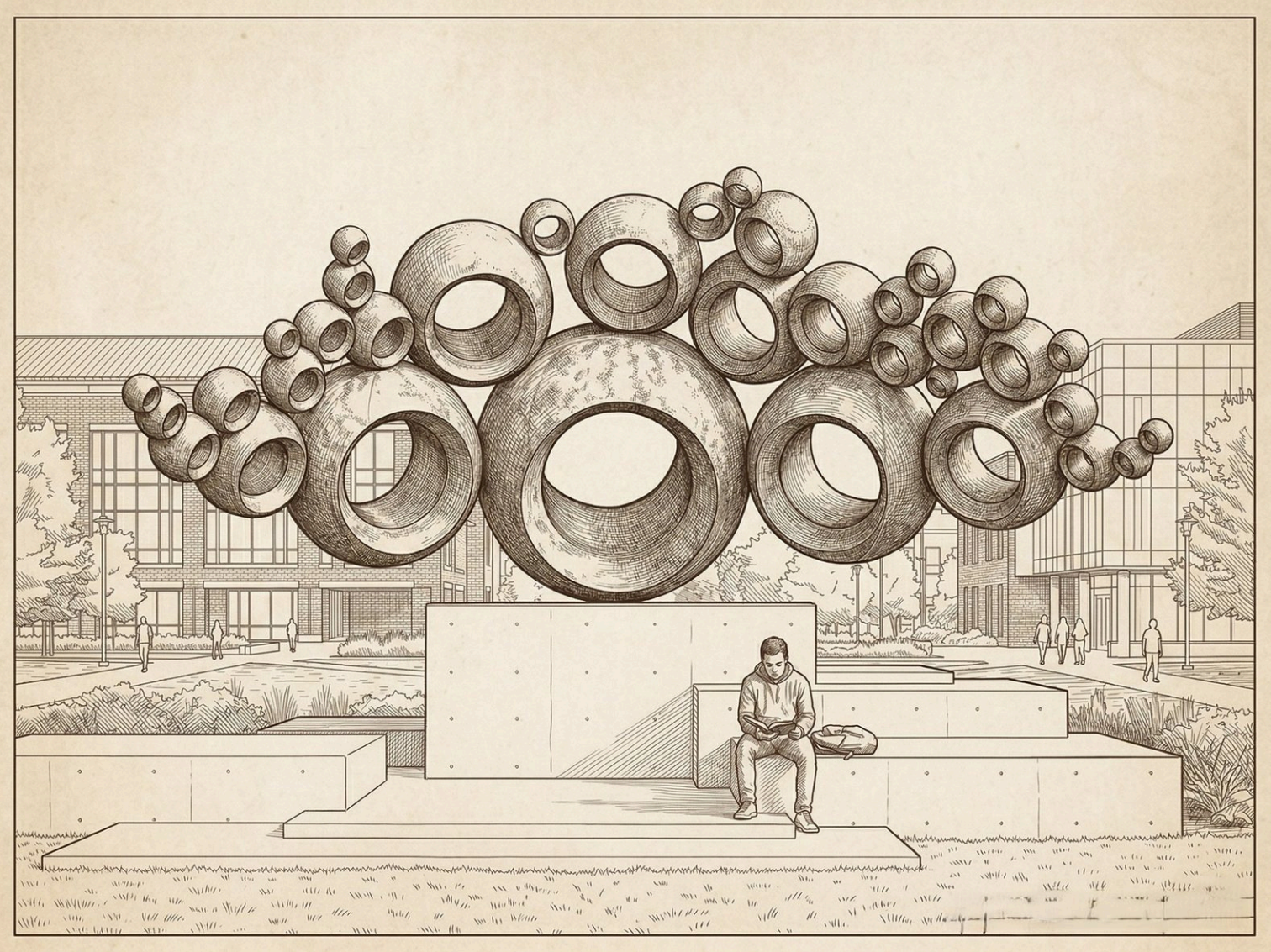
Poetic Accumulation

कांस्य



शीर्षकहीन

कांस्य



शीर्षकहीन

कांस्य



शीर्षकहीन

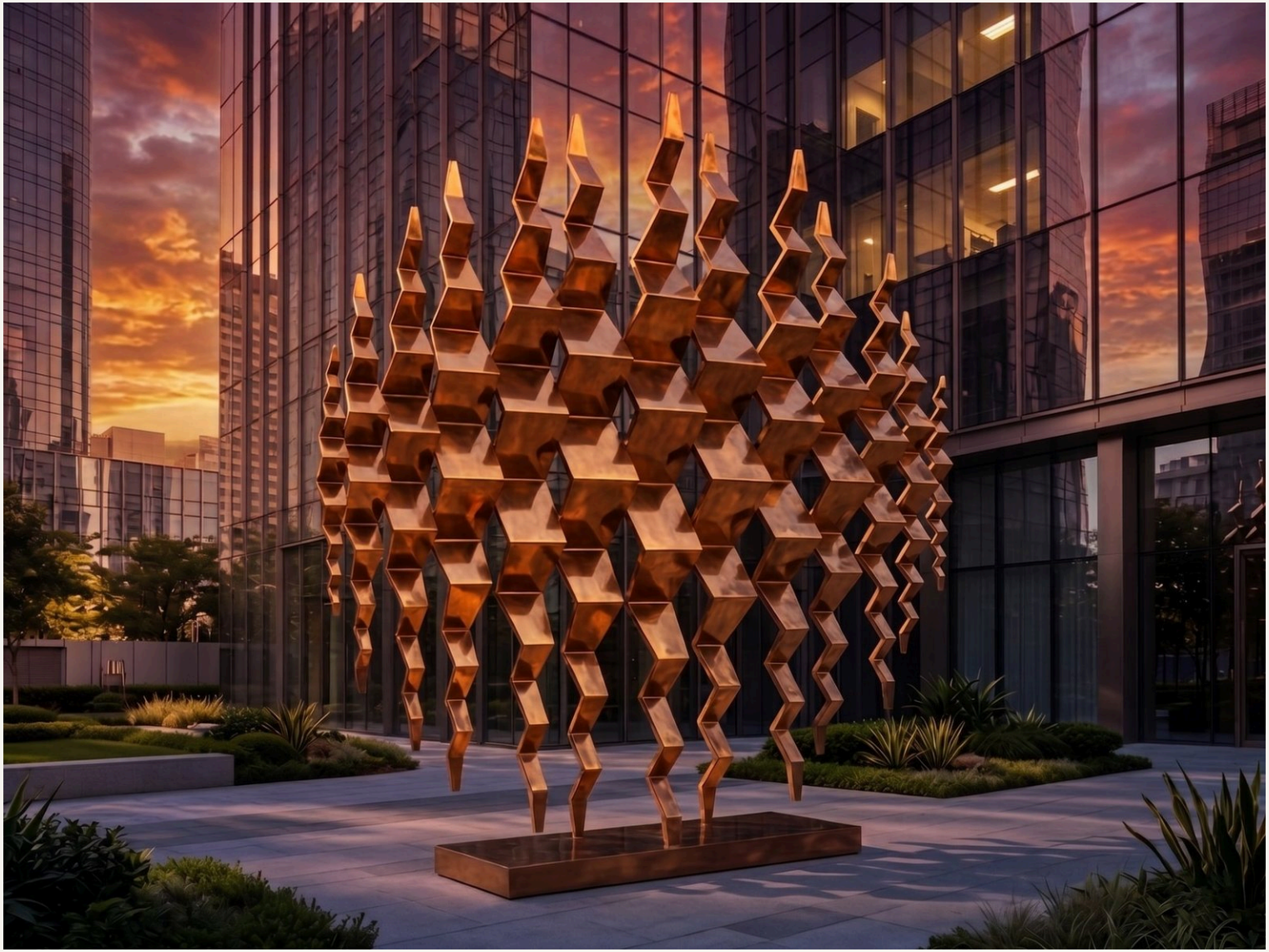
कांस्य



070

शीर्षकहीन

कांस्य



071

शीर्षकहीन

कांस्य



072

शीर्षकहीन

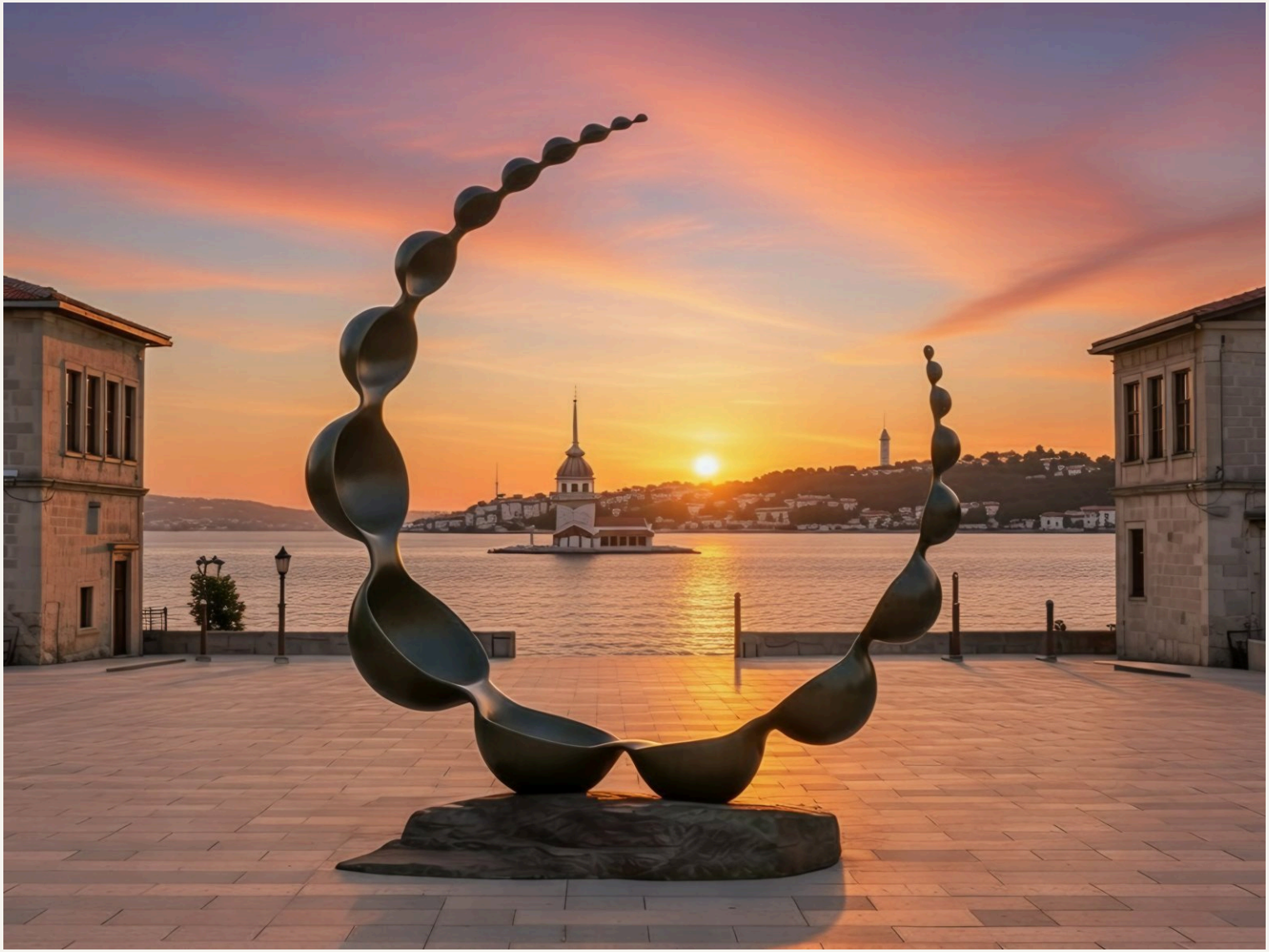
कांस्य



073

शीर्षकहीन

कांस्य



074

शीर्षकहीन

कांस्य



075

शीर्षकहीन

कांस्य



076

शीर्षकहीन

कांस्य



077

शीर्षकहीन

कांस्य



078

शीर्षकहीन

कांस्य



शीर्षकहीन

कांस्य



शीर्षकहीन

कांस्य



081

शीर्षकहीन

कांस्य



082

शीर्षकहीन

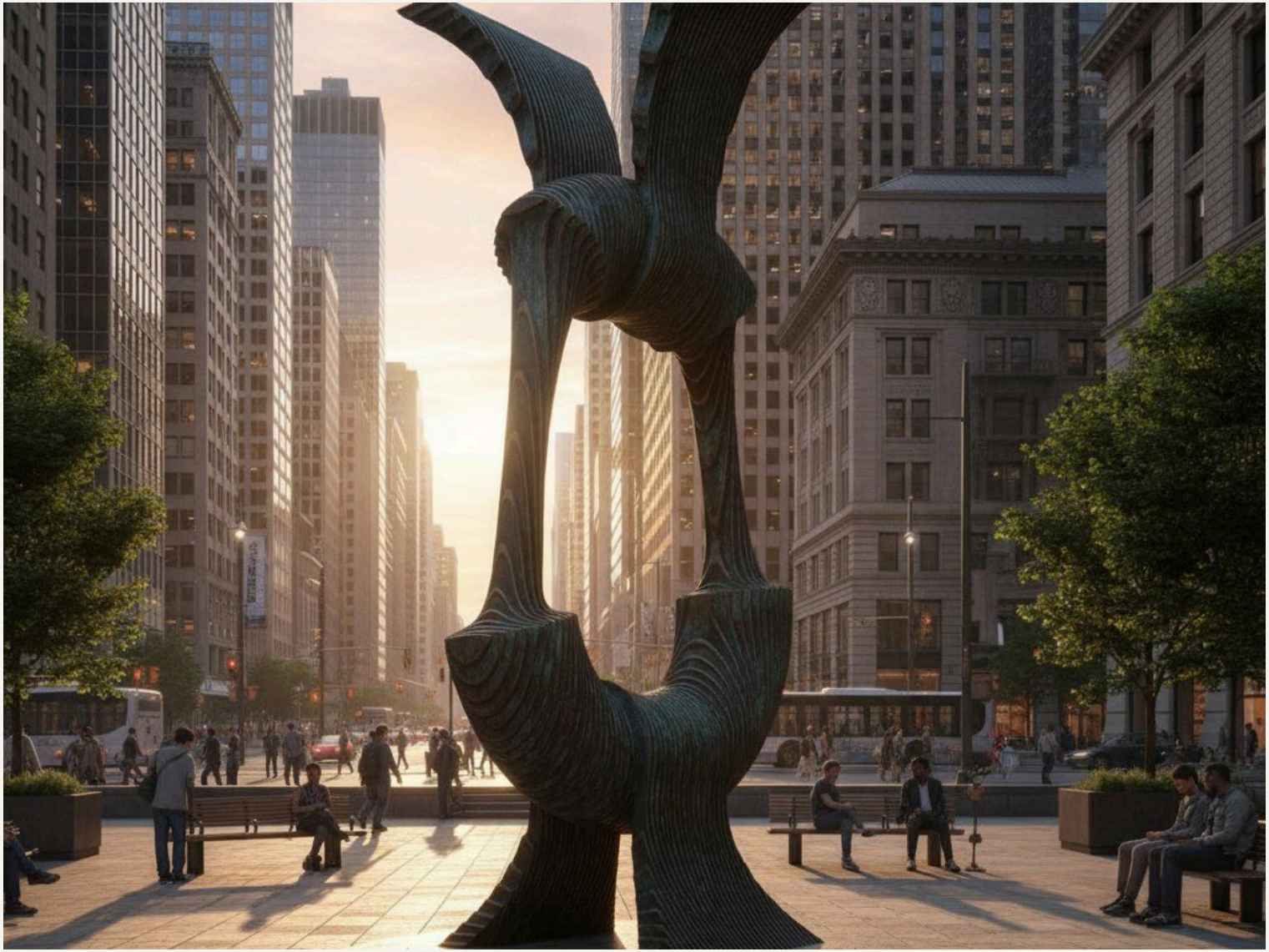
कांस्य



083

शीर्षकहीन

कांस्य



084

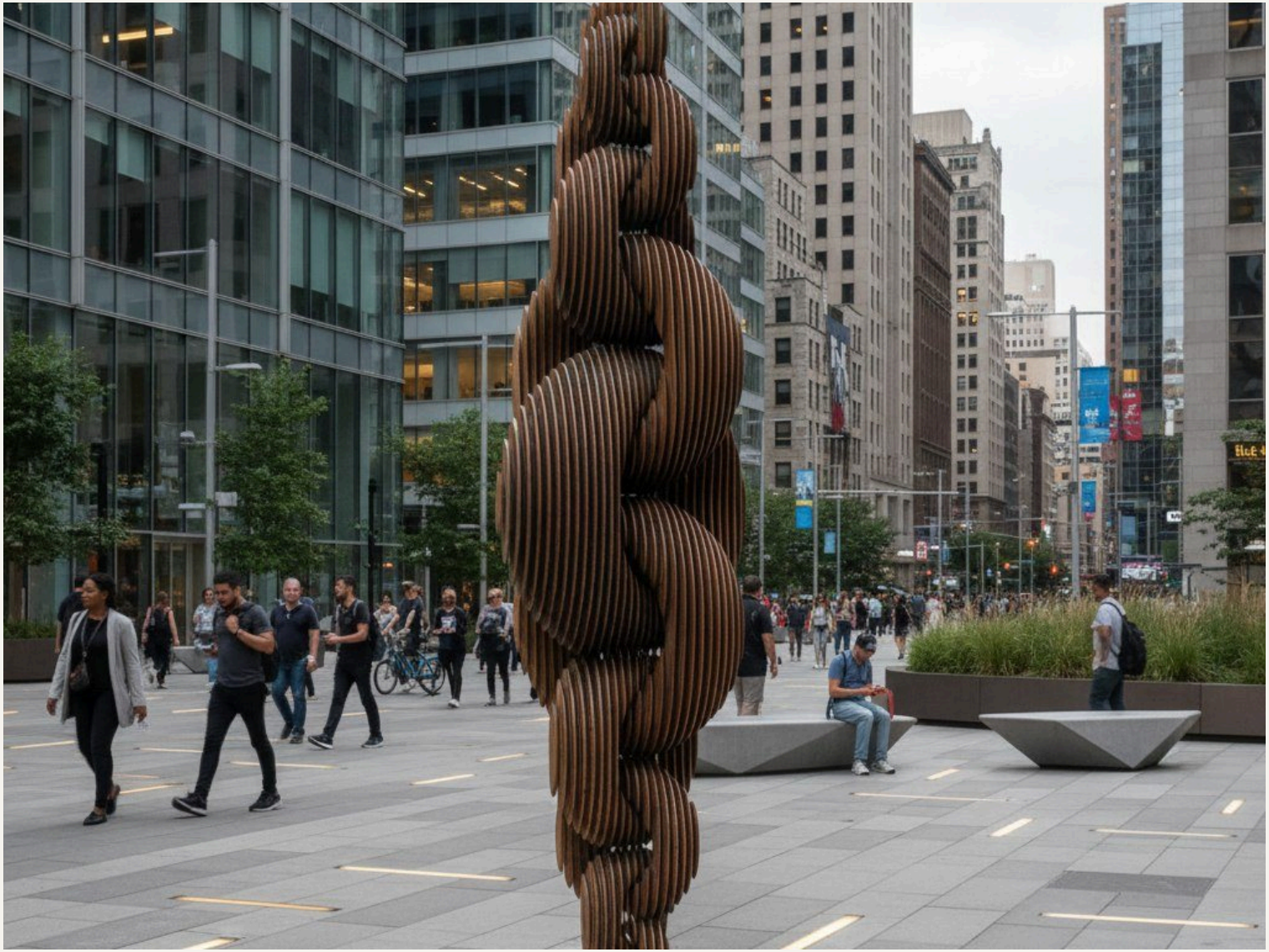
शीर्षकहीन

कांस्य



शीर्षकहीन

कांस्य



शीर्षकहीन

कांस्य



087

शीर्षकहीन

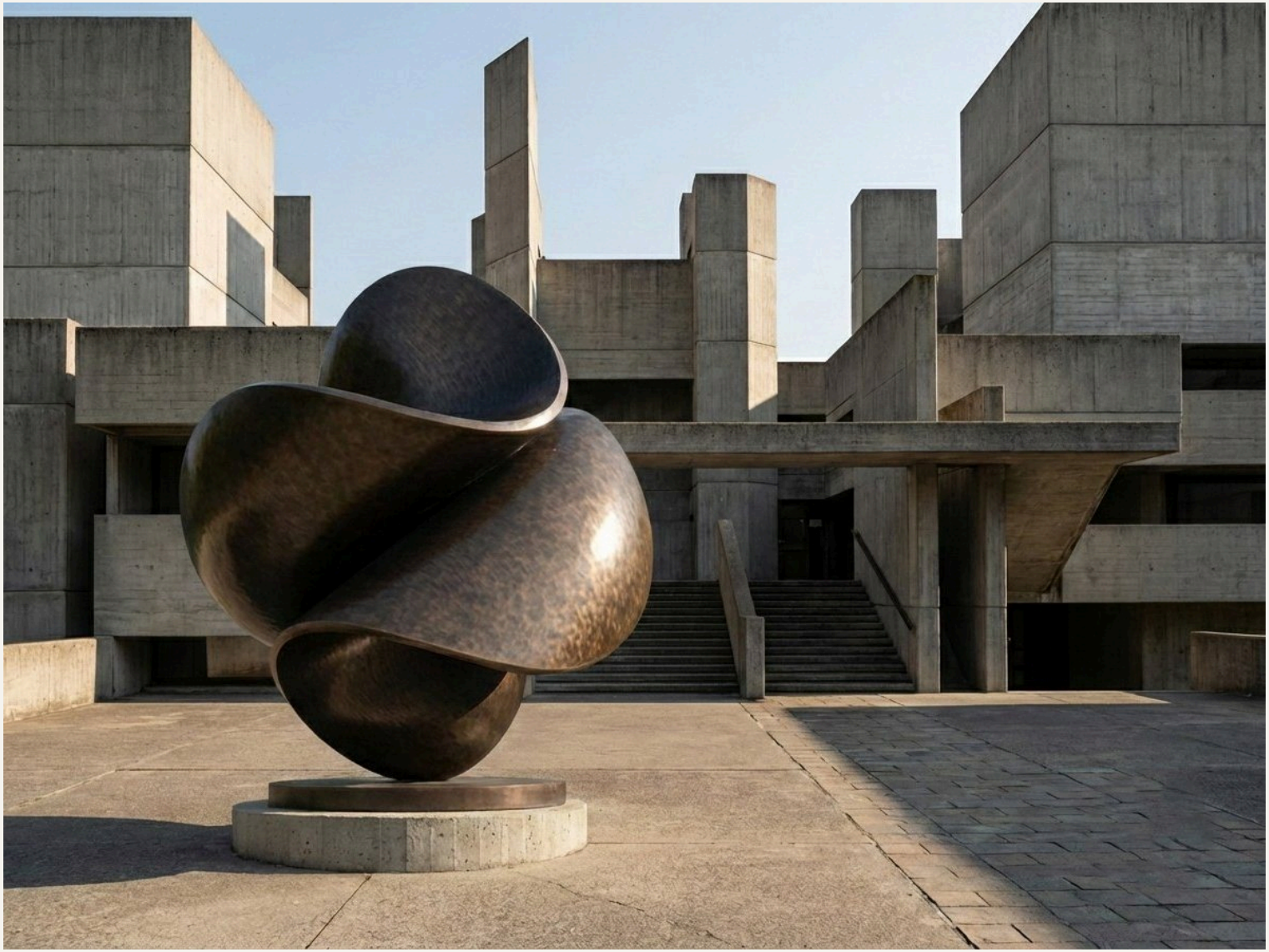
कांस्य



088

शीर्षकहीन

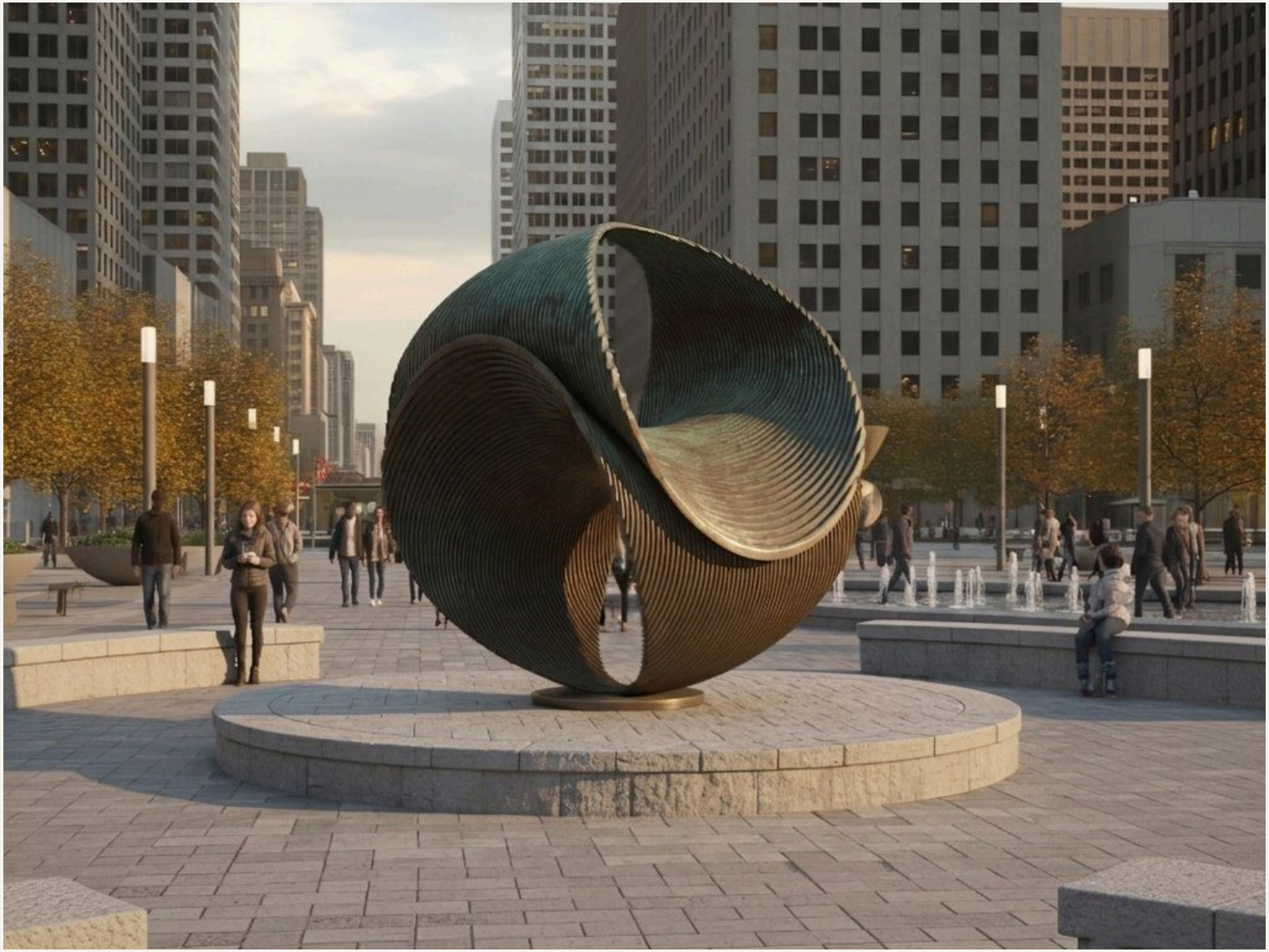
कांस्य



089

शीर्षकहीन

कांस्य



090

Lyrical Connection

कांस्य



091

शीर्षकहीन

कांस्य



092

शीर्षकहीन

कांस्य



शीर्षकहीन

कांस्य

Prof. Dr. İlker Yardımcı

प्रो. डॉ. İlker Yardımcı एक मूर्तिकार, डिज़ाइनर और शिक्षाविद हैं, जिनका अभ्यास सार्वजनिक स्थलों की मूर्तिकला पर केंद्रित है। उन्होंने दोकुज़ एयलुल विश्वविद्यालय के ललित कला संकाय के मूर्तिकला विभाग से स्नातक किया तथा उसी विश्वविद्यालय के ललित कला संस्थान से स्नातकोत्तर (2007) और 'कला में दक्षता' (2011) की उपाधि प्राप्त की। वे द्युज़जे विश्वविद्यालय के कला, डिज़ाइन और वास्तुकला संकाय के मूर्तिकला विभाग में प्रोफ़ेसर हैं, जहाँ वे शहरी परिवेश में मूर्तिकला, डिजिटल मूर्तिकला और कंप्यूटर-सहायित मूर्तिकला डिज़ाइन पढ़ाते हैं।

2008 बीजिंग ओलंपिक के लिए चयनित 'कन्फ़्यूज़न ऑफ़ प्रिज़्म' और 2022 बीजिंग शीतकालीन ओलंपिक के ओलंपिक पार्क के लिए चुनी गई 15 अंतरराष्ट्रीय मूर्तियों में से एक 'लिरिकल मैसेज' उन कृतियों में हैं जो अंतरराष्ट्रीय सार्वजनिक कला में कलाकार की स्थिति को परिभाषित करती हैं। उनकी कृतियाँ तुर्किये, चीन, अमेरिका, यूक्रेन, अर्जेंटीना, ताइवान, लक्ज़मबर्ग और चेक गणराज्य के चौकों, उद्यानों और संग्रहों में स्थापित हैं। उनकी प्रदर्शनियों में अंतरराष्ट्रीय बीजिंग कला द्विवार्षिकी (2012, 2017), लिह पाओ द्विवार्षिकी (ताइवान, 2014) और एश-सुर-अल्ज़ेट यूरोपीय सांस्कृतिक राजधानी मूर्तिकला प्रदर्शनी (लक्ज़मबर्ग, 2022) शामिल हैं। 2024 में उन्हें चाइना स्कल्पचर इंस्टीट्यूट और वुहू नगर जन सरकार द्वारा आयोजित वुहू मूर्तिकला विषयगत प्रदर्शनी 'कार्विंग द रिनाउन्ड सिटी ऑफ़ जियांगदोंग · शेपिंग वुहू ऑफ़ द एरा' में एक्सीलेंट अवॉर्ड प्राप्त हुआ।

ilker yardımcı

स्मृति का रूप

सार्वजनिक स्थल में कांस्य मूर्तियाँ · खंड 3

सूची 2026

ilkeryardimci.com
mail@ilkeryardimci.com

चित्र सार्वजनिक स्थल प्रस्तावों के डिजिटल दृश्यांकन हैं।

© 2026 İlker Yardımcı. सर्वाधिकार सुरक्षित।